'चंद्रकला'' – एक सफल भविष्य की ओर

राजनांदगांव जिले के छुरिया ब्लाक के ग्राम भेजराटोला, में वर्ष 2011 में नाबार्ड द्वारा प्रायोजित वाडी परियोजना सें जहां हर घर में खुशहाली आई, उसी ग्राम मे हसता–खेलता एक परिवार भावसिंग चद्रवंशी का था जो अपने परिवार के साथ मजदूरी करके जिवनयापन कर रहा था। भावनसिंग का डायरीया से अकस्मात निधन होने के कारण चन्द्रकला और उसके छोटे बेटे पर विपदा का कहर टुट पडा। चंद्रकला पर उसके 1वर्ष का छोटा बच्चे के पालनपोषण की जिम्मेदारी थी,उसके पास जीवन यापन करने के लिए खेती–बाडी ना होने से वह गांव रोजी–मजदुरी करने लगी। लगभग 5 वर्ष तक रोजी–मजदुरी करने पर भी उसका और बच्चे का भविष्य अंधकारमय लग रहा था।

नागेश्वरा चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा भूमिहिन एवं विधवा ग्रामिणों को सहायता प्रदान करने के लिए वाडी परियोजना के माध्यम से भेजराटोला में ग्राम नियोजन समिती की बैठक रखी गई जिसमें चन्द्रकला चंन्द्रवंशी से पुछा गया की वो अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए क्या कार्य कर सकती है। तो चन्द्रकला ने कहा की नाबार्ड सहायता करे तो मैं होटल का छोटा सा व्यवसाय करना चाहती हूॅ। मेरा छोटा सा झोपडा गांव के चौराहे पर है जिसमें आप के सहयोग से चाय नास्ता बेच कर जीवन यापन कर सकती हूं। फिर गांव की समिती के माध्यम से उसका नाम भुमिहीन के रूप में प्रस्तावित किया गया और होटल व्यवसाय को संचालित करने के लिए चन्द्रकला चंद्रवंशी ने अंशदान राशी के रूप में समिती मे 3000 रू जमा किये और नाबार्ड द्वारा, नागेश्वरा चेरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से उसके सुनियोजित जीवन को संचालित करने के लिए 10000 रू कि सहायता प्रदान की गई। समिती के पास कुल जमा राशी 13000 रू से चंद्रकला को होटल व्यवसाय के लिए टेबल, कुर्सी, बर्तन एवं खाद्य सामग्री आदि खरीदी कराई गई सामग्री खरीदते समय स्वयं चन्द्रकला चन्द्रवंशी, भेजराटोला ग्राम नियोजन समिती के सदस्य, और नागेश्वरा चेरिटेबल ट्रस्ट के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

NABARD, Mumbai & Pune Officials visiting Chandrakala's Hotel

आज चन्द्रकला चन्द्रवंशी अपने छोटे से होटल व्यवसाय से प्रति दिन रू. 200 – रू. 300 की आय अर्जित कर रही है। और जिस बच्चे को अपनी विपदा के समय पढाने के विषय में सोच भी नही रही थी आज उस बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए स्कुल भेज रही है। और सक्षम रूप से अपने परिवार का पालन–पोषण अच्छे से कर रही है। नाबार्ड द्वारा उसको की गई सहायता के लिए वह तहेदिल से धन्यवाद देती है।